# 'हार' और 'जीत' पर निर्भर 'कईयों' का 'भविष्य'

## सकारात्मक परिणाम होने से कईयों के सपने पूरा होगें, नकारात्मक की दषा में कईयों को कुर्ते और पैजामे को टांग देना पड़ेगा

**❖ लोकसभा बस्ती का परिणाम कईयों के लिए 'कहीं खुशी तो कहीं गम' साबित होगा ❖ कईयों की कुर्सी खतरे में पड़ सकती है, तो कईयों को कुर्सी मिल भी सकता ❖ सबसे अधिक डर कुर्सी जाने वाले लोगों को सता रही, कोई विधायक, तो कोई जिला पंचायत अध्यक्ष, तो कोई प्रमुख तो कोई नगर पंचायत एवं पालिका अध्यक्ष की कुर्सी के लालच में लगे हुए ❖ जिन्हें कुर्सी पाने की लालसा है, वह जीताने में लगे रहेगे, और जिन्हें कुर्सी जाने और राजनैतिक भविष्य के खतरे में पड़ने की चिंता है, वे हराने को ही लक्ष्य बनाएगें ❖ परिणाम के बाद जिले का राजनैतिक परिवेश ही बदल जाने की बात हो रही**

तेजयुग न्यूज

**बस्ती।**...बस्ती लोकसभा चुनाव के परिणाम पर उतनी चर्चा नहीं हो रही है, जितनी हारने और जीतने के बाद होने वाले नुकसान और लाभ को लेकर हो रही है। कहने का मतलब यह हैं, कि परिणाम किसी के लिए खुषी तो किसी के लिए गम साबित होने वाला है। कहा जा रहा है, परिणाम अगर सकारात्मक हुआ तो कईयों के सपने पूरे हो सकते हैं, और अगर कहीं नकारात्मक हुआ तो कईयों को अपने कुर्ते और पैजामें को टांगना भी पड़ सकता है।

ऐसे में ऐसे लोगों का एक मात्र लक्ष्य परिणाम को नकारात्मक बनाने में हो सकता है। भले ही चाहें पार्टी के साथ गददारी ही क्यों न करनी पड़े। यह लोग अपने राजनैतिक अस्तित्व को बचाए रखने के लिए जो भी हो सकेगा, परिणाम को नकारात्मक बनाने से नहीं चूकेंगे। जिन लोगों के सपने पूरे होने की बात कही जा रही है, उनकी संख्या लगभग 100 की है, और जिन्हें कुर्ता और पैजामा टांगने का डर सता रहा है, उनकी संख्या 50 के लगभग है। कईयों की कुर्सी खतरे में पड़ने की बात भी उठ रही है, तो कईयों की किस्मत खुलने की बात भी कही जा रही है। सबसे अधिक डर कुर्सी जाने वालों को सता रहा हैं, इस लिए यह लोग चाहेंगे कि परिणाम नकारात्मक रहे, और जिन लोगों को कुर्सी मिलने की संभावना हैं, वे लोग हर हाल में परिणाम को सकारात्मक होते देखना चाहेगें। जिन लोगों ने कुर्सी और पद मिलने की लालसा पाल रखी है, वे कभी नहीं चाहेंगे कि परिणाम नकारात्मक रहे, ऐसे लोग परिणाम को सकारात्मक बनाने के लिए सबकुछ दांव पर लगाने को तैयार भी नजर आ रहे है।

परिणाम सराकात्मक होगा या फिर नकारात्मक, दोनों ही सूरतों में इसका प्रभाव जिले की राजनैतिक पर पड़ने की बातें दमदारी से अभी से ही कही जा रही है। सबसे अधिक प्रभावित वे लोग होगें जो विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, प्रमुख, नगर पंचायत एवं पालिका के चेयरमैन की कुर्सी पर बैठने की तमन्ना पाल रखी है। वे लोग भी प्रभावित होगें, जिन्हें अपनी कुर्सी जाने का डर सता रहा है। यह बात भी कही जा रही है, कि जिन लोगों ने यह सपना पाल रखा हैं, कि परिणाम सकारात्मक होने पर उनके सपने पूरे होगें, उनमें कईयों का सपना धरा का धरा रह जाने वाला है। खासतौर से वे लोग जो सपने पालकर पार्टी को ज्वाइन कर रहे है। यह भी सही है, कि परिणाम सकारात्मक होने की दषा में उतने लोगों का सपना पूरा नहीं होगा, जितने लोगों ने सपना पूरा होने का सपना देखा है। क्यों कि कुर्सी कम है, और कुर्सी पर बैठने वालों की संख्या अधिक है। कुर्सी एक और दावेदारी पांच-छह, कैसे सभी के सपने पूरे होगें, यह सोचना पार्टी का काम नहीं बल्कि उन लोगों का है, जो कुर्सी की लालच में अपनी पार्टी को धोखा देकर ज्वाइन कर रहे है।

**तेजयुग फॉलोअप खबर**

सबसे अधिक मारामारी 2027 के लिए हो रही है, क्यों कि अधिकांश लोगों को 2027 का सपना पूरा होते दिखाई दे रहा हैं। कोई ऐसा विधानसभा नहीं, जहां पर पांच से लेकर छह लोग विधायक बनने का सपना नहीं देख रहे है। इनमें तो कई ने अभी से सोषल मीडिया पर विधानसभा क्षेत्र का नाम देकर अपने आप को प्रत्याषी बताने के लिए पोस्ट भी कर रहे है। इनमें तो कई ऐसे भी है, जिनका न तो कोई जनाधार है, और न ही कोई पहचान, इनकी पहचान सांसदजी हैं। ऐसे लोग भी पोस्ट कर रहे हैं, जो 2022 में अपनी बूथ को नहीं जीता पाए थे। अगर, ऐसे लोग विधायक बनने का सपना देख रहे हैं, तो उनके सपने का भगवान ही मालिक है। जाहिर सी बात है, कि जब टिकट पाने का सपना पूरा नहीं होगा तो वे लोग अपने आपको ठगा हुआ भी महसूस करेगें। जिन लोगों ने सपना पाल रखा है, या फिर जिन्हें सपना दिखाया गया/जा रहा है, ऐसे लोगों को यह अच्छी तरह जान लेना चाहिए कि भाजपा पार्टी किसी एक व्यक्ति की पार्टी नहीं है, और न एक व्यक्ति से चलती है। जब इन लोगों का सपना पूरा नहीं होगा तो यही लोग पार्टी और व्यक्ति को बुराभला कहने से नहीं हिचकेगें। तब यह लोग न इधर के रहेगें और न उधर के। पछताने के आलावा इनके हाथों में कुछ भी नहीं आएगा। परिणाम के बाद जिले के राजनैतिक परिवेष बदलने की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता है।

पहली बार देखा गया कि लोकसभा चुनाव में प्रत्याषी को जीताने पर पार्टी के लोग उतनी चर्चा और मेहनत नहीं कर रहें हैं, जितना हराने में। कई चर्चाओं में यह बात खुलकर सामने आया कि अगर परिणाम नकारात्मक नहीं हुआ तो हम लोगों का राजनैतिक भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। अगर भाजपा जैसी पार्टी के प्रत्याषी को हराने के लिए भाजपा के लोग ही इस तरह की बाते कर रहे हैं, तो कैसे भाजपा की जीत होगी? यह बहुत बड़ा सवाल है, और इसका जबाव पार्टी और प्रत्याषी दोनों को तलाषकर हल निकालना होगा। अपने लोगों की नकारात्मक सोच के चलते पार्टी और प्रत्याषी के सामने अजीब स्थित उत्पन्न हो गई, ऐसे में चुनाव संभाले या फिर अपनों का। यह सही भी है, और इस सच को सब लोग मान भी रहे हैं, कि सांसद को निपटाने के लिए और कोई नहीं बल्कि अपने लोग ही कमर बांधकर तैयार हैं। पता नहीं भाजपा के लोगों और कुर्सी पर बैठने वालों को यह डर सता रहा है, कि अगर परिणाम सकारात्मक रहा तो उनकी कुर्सी जा सकती है, या फिर नुकसान होगा। संभावित नुकसान से बचने के लिए जिस तरह परिणाम को नकारात्मक में बदलने की साजिश हो रही है, उससे पार्टी और प्रत्याशी को कितना नुकसान हो सकता है, यह तो परिणाम के बाद ही पता चलेगा। लेकिन माहौल अवष्य नकारात्मक बनाने का प्रयास हो रहा है।

# 'इन' दो 'रोटियों' में 'छिपी', 'जिंदगी' की 'दास्तान'

तेजयुग न्यूज

**बस्ती।** उप निदेशक अल्प संख्यक विजय प्रताप यादव ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि लगभग सात साल पहले जब वह जनपद मऊ में तैनात थे। रमजान का महीना चल रहा था, उसी दौरान उनके ड्राइवर मोहम्मद आरिफ ने रूम पर एक ही थाली में अफ्तार करने का न्यौता दिया। थाली में दो रोटी थी, जिसमे एक रोटी पर चीनी और दूसरी रोटी पर मिर्च का आचार रखा है।

हम दोनों लोग इसे ही जलपान के रूप में लिए थे। बताया कि दर असल ये दो रोटियां जिंदगी में उतार और चढ़ाव के बीच खुद को प्रतिस्थापित करती है। एक में मीठा और दूसरी में नमक का स्वाद है, एक सुख तो दूसरा दुख, के बीच खुद को जिंदगी की नाव में संतुलित करने का नाम जिंदगी है। ये दोनां रोटियों जिंदगी के दस्तूर और कहानी को समेटे हुए। कैसे जन्म से शमशान स्थल के बीच हम सभी जिंदगी में कभी बसंत तो कभी पतझड़ से रूबरू होते है। यह अकाट्य और सत्य है, जीना सभी को है, मात्र अंतर ये है कि कुछ दर्द की दास्तान को चेहरे पर बिखेर देते है तो

कुछ दास्तान ए दर्द को अपनी मुस्कुराहट के ओट से छिपा लेते है।

कहते हैं, कि इंसान को कभी अपनी औकात नहीं भूलनी चाहिए। उपर वाले को इंसान बनाकर इस लिए नीचे भेजा ताकि वह नेक रास्ते पर चले और गरीब और मजलूम लोगों की मदद करें। लोगों को यह समझना चाहिए कि यह जिंदगी बार-बार किसी को नहीं मिलती। अगर मिली है, तो इसे अपने लिए नहीं बल्कि दूसरों की सेवा में लगा दो। जो सुखद अनुभव दूसरों की सेवा करने में होता है, वह सुखद दौलत पाकर भी नहीं होता। बता दें कि इन्होंने अपने षरीर को बीएचयू को दान दे रखा है। ताकि उनके न रहने पर भी उनके षरीर का अंग किसी जरुरतमंद के काम आ सके। इन्होंने कभी भी समझौता नहीं किया, और ईमानदारी से इन्होने अपने काम को अंजाम दिया, इन्हें विभाग में सबसे अधिक ईमानदार के रुप में जाना जाता है। इनकी ईमानदारी का पता इस बात से लगाया जा सकता है, कि विभाग इन्हें वह जांच सौपंता है, जिससे इन्हें न्याय मिलने की उम्मीद रहती है। बस्ती मंडल के अधिकारी होने के बावजूद विभाग इन्हें प्रदेश के जटिल से जटिल जांच सौंपता है। ईमानदारी का पाठ अगर किसी को पढ़ना है, तो इनसे पढ़ा जा सकता है।

# ...तो पुलिस की दोहरी जांच का खेल हुआ फेल

## किशोरी के साथ दुष्कर्म की वारदात खारिज करने के चार दिन बाद दर्ज किया मुकदमा

तेजयुग न्यूज

**नसीराबाद/रायबरेली :** किशोरी के साथ चार दिन पूर्व हुए दुष्कर्म के मामले में जहा पुलिस ने दुष्कर्म की वारदात को खारिज कर सिर्फ दुष्कर्म का प्रयास का हवाला मीडिया को दिया था और जांच की बात कही थी वही घिनौनी वारदात के चार दिन बाद पुलिस की जांच फेल हो गई नतीजा पुलिस ने अब दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज किया है। मामला नसीराबाद थाना क्षेत्र का है जहा डीह थाना क्षेत्र से ननिहाल में होली मनाने गई किशोरी को एक वहसी युवक ने अपनी हवस का शिकार बना डाला था।

दुष्कर्म जैसी घटना को लेकर पुलिस टाल मटोल करती रही सूत्रों की माने तो घटना के बाद ही पुलिस ने आरोपित युवक को हिरासत में ले लिया था लेकिन पुलिस किसी लंबी डील में थी या फिर अपने उच्च अधिकारियों को गुमराह करने की जुगत में थी यह

तो पुलिस ही जाने फिलहाल क्षेत्र में तमाम फजीहत के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। किशोरी की मा की तहरीर में आरोप है कि चार दिन पूर्व डीह थाना क्षेत्र से किशोरी होली मनाने अपने ननिहाल नसीराबाद आई थी जो होली के दिन शाम को गांव के बाहर शौच करने गई थी जहां पहले से घात लगाए सूरज पुत्र राम सजीवन उसे जबरन मुंह बन्द कर एक झील में ले जाकर हवस का शिकार बना डाला।

### डील करने में जुटी रही पुलिस : परिजन

**नसीराबाद/रायबरेली :** घटना के बाद परिजनों की लिखित सूचना पर पुलिस ने आनन-फानन आरोपित युवक को हिरासत में ले लिया था और पीड़ित पक्ष को सारा दिन थाने पर कार्रवाई के नाम बैठाए रखा। पीड़ित पक्ष की माने तो पुलिस तीन दिन तक डील में जुटी रही और शायद सफलता भी मिली और आरोपित युवक को छोड़ भी दिया था। अब चार दिन बाद दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज के बाद पुलिस पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

मामला संज्ञान में नहीं है अगर ऐसा हुआ है तो जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।
- **नवीन कुमार सिंह अपर एसपी रायबरेली।**

# 'गणेशपुर' स्कूल के 'वार्षिकोत्सव' में सांस्कृतिक 'कार्यक्रमों' की रही 'धूम'

## अभिभावकों के भरोसे पर खरा उतरे शिक्षक : शैलशुक्ला

तेजयुग न्यूज

**बस्ती।** परिषदीय विद्यालय गणेशपुर द्वितीय में वार्षिक उत्सव उल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रोचक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर संदेश दिया। कार्यक्रम में मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप-प्रज्वलन एवं माल्यार्पण राजेश पाठक ने किया। बच्चों ने सरस्वती वंदना, नुक्कड़ नाटक, चैपाल और विविध प्रकार के कार्यक्रम प्रस्तुत कर अतिथियों, अभिभावकों एवं ग्राम वासियों का दिल जीत लिया।

कार्यक्रम में ड्रॉप आउट बच्चे जो शिक्षा की मुख्य धारा में जुड़े तथा नियमित उपस्थिति समेत कई मेधावी बच्चों को तथा उनके अभिभावकों को जनपदीय उपाध्यक्ष एवं सदर ब्लाक के अध्यक्ष शैल शुक्ला और संगठन के पदाधिकारियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। कहा कि ऐसे अनेक उदाहरण और सराहनीय पहल हमारे विद्यालय परिवार के द्वारा ब्लॉक स्तरीय समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं, और कहीं न कहीं ऐसे कार्यक्रम से बच्चों में जागरूकता के साथ साथ काफी कुछ सीखने और करने के अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं, नये शैक्षिक सत्र में पदाधिकारी साथियों एवं शिक्षिका बहनों से शिक्षकों से नवीन नामांकन बढ़ाये जाने पर जोर देते हुए कहा कि नियमित रूप से पठन-पाठन को मजबूत कर अभिभावकों का विश्वास जीतना होगा।

वार्षिकोत्सव में विद्यालय प्रधानाध्यापिका आभा श्रीवास्तव एवं विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन सचिन शुक्ल और राघवेन्द्र पाण्डेय ने संयुक्त रूप से किया। विद्यालय के रागिनी, अंजली, काजल, सुमन, कविता, किरन आदि ने रोचक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से एआरपी अविनाश शुक्ल, उमाशंकर, वरिष्ठ अध्यापिका सरला पाण्डेय, प्रेमलता श्रीवास्तव , सुषमा सिंह, गजला खातून और शशिकला के साथ अन्य वरिष्ठ शिक्षक एवं शिक्षिका व ग्राम सभा के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

# 'मूड़घाट' के दो 'मंजिला' में बन रहा था 'असलहा'

तेजयुग न्यूज

**बस्ती।** कोतवाली पुलिस ने मूड़घाट स्थित षषिनारायण उर्फ जान साहनी के दो मंजिला मकान में असलहा बनाने की फैक्टरी को पकड़ा। अभियुक्त के पास से एक अदद अवैध देशी तमंचा 12 बोर, एक अदद जिंदा कारतूस व एक अदद खोखा कारतूस, 12 बोर, दो अदद लोहे का एयरगन, दो अदद लकड़ी का बट, दो अदद छोटा एयरगन, एक अदद लकड़ी का पिस्टल नुमा स्ट्रक्चर जिसमे लाइटर व बैरलनुमा पाइप लगा हुआ।

दो अदद लोहे का बोल्ट, एक अदद मैगजीन कैप, चार अदद लोहे की मोटी पाइप, पांच अदद अर्ध निर्मित स्टील की पतली नाल व पाइप का टुकड़ा, दो अदद पिलास, दो अदद आरी, पांच अदद रेती, दो अदद लोहा कटर, तीन अदद पेचकश, एक अदद रुखानी, पांच अदद रिंच, तीन अदद लोहे की पत्ती, एक अदद छिन्नी, एक अदद लोहे की स्केल, तीन अदद हथौड़ी, एक अदद वर्मा, चार अदद लकड़ी का गुटका, दो अदद लकड़ी का अर्धनिर्मित गुटका, एक अदद ड्रिल मशीन, चार अदद रेगमार का टुकड़ा, 12 पीस ड्रिल बीट बरामद किया गया।

# मुख्तार अंसारी की मौत के बाद हाई अलर्ट

## धारा 144 लागू के साथ चप्पे-चप्पे पर तैनात रही खाकी

तेजयुग न्यूज

**रायबरेली :** माफिया मुख्तार अंसारी की मौत के बाद जहां पूरे प्रदेश भर में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया। वहीं जिले में भी पुलिस अलर्ट मोड में दिखी। कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करने को लेकर खुद पुलिस अधीक्षक अभिषेक अग्रवाल सहित अपर एसपी नवीन कुमार सिंह मॉनिटरिंग करते रहे। पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए देर रात ही पुलिस ने विभिन्न इलाकों में गश्त शुरू कर दिया था। पुलिस अधीक्षक अभिषेक अग्रवाल के निर्देशों के तहत सदर पुलिस, लालगंज ऊंचाहार, सरेनी, सलोन, महाराजगंज, बछरावां, डलमऊ सहित अन्य सभी थानों की पुलिस ने रात्रि गश्त बढ़ाते हुए आने जाने वालों की चेकिंग शुरू कर दी।

शहर में सीओ सिटी अमित सिंह की अगुवाई में रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड सहित संवेदनशील इलाकों में आने जाने वालों की चेकिंग की गई। इसी के साथ मुस्लिम इलाके के क्षेत्रों में भारी पुलिस बल भी तैनात कर दिया गया है। पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर भी पैनी नजर रखी जा रही है ताकि किसी अफवाह को फैलने से पहले ही रोका जा सके । शुक्रवार को जुम्मे की नमाज भी रही इसको लेकर विभिन्न मस्जिदों पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। विदित हो कि माफिया मुख्तार अंसारी की मौत के बाद प्रदेश भर में धारा 144 लागू कर दी गई है। किसी भी सार्वजनिक जगह पर चार से अधिक लोगों के एकत्रित होने पर रोक लगी हुई है।

# अज्ञात लोगों ने युवक से छीना नगदी, मोबाइल और ई रिक्शा

**महराजगंज तराई (बलरामपुर)/ पंकज मिश्रा :** स्थानीय थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम नरायनपुर निवासी संतोष कुमार ने थाने में तहरीर देकर बताया है कि वह बृहस्पतिवार शाम 7.00 बजे महराजगंज तराई पेट्रोल पंप के सामने अपना ई रिक्शा लेकर सवारी का इंतजार कर रहा था। तभी तीन लोग आकर ई रिक्शा में बैठे उन्होंने कहा कि ग्राम गंजडी थाना ललिया जाना है। संतोष कुमार ने बताया कि गंजडी पहुंचने पर ई रिक्शा में बैठे एक व्यक्ति ने फोन करके चौथे व्यक्ति को बुलाया। चारो मनबढ ई-रिक्शा चालक से?1500 नगद मोबाइल फोन व रिक्शा लेकर फरार हो गए। इस घटना को लेकर क्षेत्राधिकारी ललिया ज्योति श्री ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली।थाना प्रभारी निरीक्षक गिरिजेश कुमार तिवारी ने बताया है की तहरीर मिली है छानबीन की जा रही है।

# अवैध मांस के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, सोशल मीडिया पर रही पुलिस की नजर

तेजयुग न्यूज

**नसीराबाद/रायबरेली :** नसीराबाद पुलिस टीम ने सफलता हासिल की है पुलिस ने गौमांस के साथ दो तस्कर युवकों को हिरासत में लिया फिलहाल पुलिस इस बात से इंकार कर रही है कि मांस किस चीज का है पुलिस का कहना है कि पशु विभाग के जांच के बाद मांस की बात सामने आएगी।

बताया जाता है कि यह कार्रवाई सीओ सलोन वंदना सिंह के निर्देश पर डीह और नसीराबाद की संयुक्त पुलिस टीम ने की है क्योंकि मामला दोनों थाना क्षेत्रों के बॉर्डर का है। पुलिस ने अवैध मांस के साथ डीह थाना क्षेत्र से जांच में एक युवक को पकड़ा और उसके बयान के आधार पर नसीराबाद थाना क्षेत्र के भी एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम बीकापुर थाना डीह का रहने वाला सफीक पुत्र शहीद गांव में घूम कर प्रतिबंधित अवैध गाय का मांस बेच रहा था। जानकारी मिलने पर उसे पुलिस ने अवैध मांस समेत शक के आधार पर जांच के दौरान हिरासत में लिया है सूचना पर क्षेत्राधिकारी वंदना सिंह के नेतृत्व में नसीराबाद और डीह पुलिस मय फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे तो मांश समेत जांच में एक युवक को हिरासत में लिया गया बताया जाता है कि युवक सफीक की निशानदेही पर पुलिस नसीराबाद थाना क्षेत्र के ग्राम पूरे बादल मजरे बिरनावा के दक्षिण में स्थित कटीले बबूल के जंगल में पहुंची जहां जानवर का खून और आंतों से निकला चारा बिखरा पड़ा था। पकड़े गए युवक के बयान के आधार पर पुलिस पूरे बादल मजरे बिरनावा निवासी फतेह बहादुर के घर पहुंची। उसे हिरासत में ले लिया किन्तु उसका बेटा सैफ फरार हो चुका था। पुलिस मामले की गहराई से छानबीन कर रही है और हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ करके यह पता लगाने में जुटी है कि कहीं इस बड़े खेल में और कौन कौन शामिल हैं।

# 'बस्ती' के 'रास्ते' से 'तय' होता 'दिल्ली' का 'भविष्य'

## बीजेपी से हरीश या सपा से रामप्रसाद किसके सिर पर बंधेंगा जीत का सेहरा

तेजयुग न्यूज

**कुदरहा/बस्ती।** बस्ती जनपद के बारे में कभी भारतेंदु हरिश्चंद्र ने कहा था कि बस्ती को बस्ती कहूं तो का को कहूं उजाड़। कमोवेश आज भी इस क्षेत्र की स्थिति ऐसी ही है। यूपी के पुराने जिलों में से एक है बस्ती जनपद। यह पूर्व में संतकबीरनगर, पश्चिम में गोंडा और उत्तर में सिद्धार्थनगर से घिरा हुआ है। इसके दक्षिण में घाघरा नदी है, जो अयोध्या और अंबेडकरनगर को बांटती है। बस्ती कपड़ा उद्योग, चीनी मिलों के लिए भी जाना जाता है।

डेमोग्राफी, विधानसभा और मुद्दे 2011 की जनगणना के मुताबिक यहां की आबादी 24,64,464 है। लोकसभा क्षेत्र में विधानसभा की हर्रैया, बस्ती सदर, रुधौली, महदेवा और कप्तानगंज की सीट शामिल है। 1991 के चुनाव में पहली बार भाजपा ने यहां से जीत दर्ज की और उसके बाद 1996, 1998 और 1999 में यहां भाजपा का ही वर्चस्व रहा। 2014 में फिर से यह सीट भाजपा के खाते में आ गई और हरीश द्विवेदी यहां से सांसद चुने गए। इसके बाद 2019 में भी वे एक बार फिर एमपी चुने गए। स्थानीय मुददे औद्योगिक विकास, बाढ़, शिक्षा, स्वास्थ्य की कमी है। बस्ती की खास बातें बस्ती, उत्तर प्रदेश का शहर और बस्ती जिला का मुख्यालय है। ऐतिहासिक दृष्टि से भी यह स्थान काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। क्षेत्रफल की दृष्टि से भी यह उत्तर प्रदेश का सातवां बड़ा जिला है।

प्राचीन समय में बस्ती को श्कौशलश् के नाम से जाना जाता था। अमोढ़ा, छावनी बाजार, संत रविदास वन विहार, भद्रेश्ववर नाथ, मखौडा, श्रंगीनारी, गणेशपुर, धिरौली बाबू, सरघाट मंदिर, केवाड़ी मुस्तहकम, नगर, चंदू ताल, बराहक्षेत्र, अगौना, पकरी भीखी आदि यहां के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से है। लखनऊ से इसकी दूरी 205 किलोमीटर है और दिल्ली से इसकी दूरी 785.5 किलोमीटर है। बस्ती लोक सभा चुनाव 25 मई को सामान्य मतदान के जरिये होना है। इसके लिए अभी तक सिर्फ भारतीय जनता पार्टी ने दो बार सांसद रहे हरीश द्विवेदी पर तीसरी बार दांव लगाया है, तो वही समाजवादी पार्टी और इण्डिया गठबंधन के प्रत्यासी के रूप में पूर्व मंत्री राम प्रसाद चैधरी मैदान में है।

जानकारी के अनुसार इस लोक सभा क्षेत्र से वर्ष 2014 में हुए 16 वें लोक सभा चुनाव में भाजपा के हरीश द्विवेदी ने सपा के बृज किशोर सिंह डिम्पल को हराकर पहली बार जीत दर्ज की थी। तीसरे स्थान पर बीएसपी के राम प्रसाद चैधरी रहे। वहीं वर्ष 2019 के चुनाव में बीजेपी के हरीश द्विवेदी ने 4,71,162 वोट प्राप्त कर बीएसपी के राम प्रसाद चैधरी को मात दी थी। इस बार राम प्रसाद चैधरी को 4,40,808 वोट मिले थे। कांग्रेस के राजकिशोर सिंह 86,920 मत प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रहे। इसी तरह यदि आजादी के बाद हुए लोक सभा चुनावों की बात करें तो बस्ती लोक सभा क्षेत्र से वर्ष 1951 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उदय शंकर दूबे, 1957 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के रामगरीब ने इस क्षेत्र का प्रीतिनिधित्व किया। 1957 में हुए उप चुनाव और 1962 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से केशवदेव मालवीय और 1967 में अनंत प्रसाद नारायण और 1971 में अनंत प्रसाद धुसिया ने जीत दर्ज की थी। इसके बाद वर्ष 1977 में जनता पार्टी के एस नारायण, वर्ष 1980 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कल्पनाथ सोनकर और 1984 में राम अवध प्रसाद विजयी रहे।

1989 में जनता दल के टिकट पर एक बार फिर कल्पनाथ सोनकर ने जीत दर्ज की। फिर मण्डल कमण्डल की लहर में बीजेपी ने इस लोक सभा सीट पर कब्जा कर लिया और वर्ष 1991 में श्यामलाल कमल के बाद क्रमशः 1996,1998 और

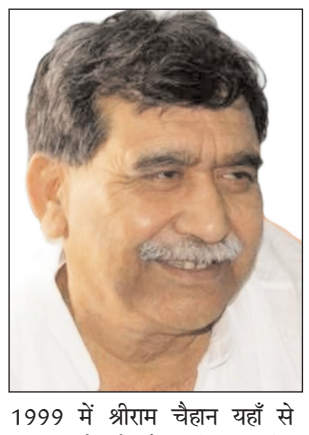

1999 में श्रीराम चैहान यहाँ से सांसद चुने गये। केंद्र की तत्कालीन अटल सरकार में कैबिनेट मंत्री भी बनाये गये। इसके बाद फिर वर्ष 2004 और 2009 में बहुजन समाज पार्टी के लालामणि प्रसाद और अरविन्द कुमार चैधरी को जनता ने अपना अमूल्य मत देकर दिल्ली भेजा। इसके बाद वर्ष 2014 में मोदी के आने से भाजपा पुनः मजबूत हुई और यहाँ से हरीश द्विवेदी को जनता ने अपना नेता बनाया और इसी तरह वर्ष 2019 में भी हरीश द्विवेदी जीत हासिल कर मोदी के विजय रथ को आगे बढ़ाते रहे। इस बार फिर से भाजपा ने हरीश द्विवेदी पर भरोसा जताया है। इनके मुकाबले अभी तक सपा से राम प्रसाद चैधरी मैदान में उतरे है। देखना है, कि इस बार दिल्ली का रास्ता कौन तय करता है।